अनुक्रमांक ..........................

नाम ....................................

102 302(ZJ)

# 2023

# सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100

**नोट :** प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

**निर्देश :** i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो खण्डों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खंड-क )

1. क) 'भाषा योगवाशिष्ठ' के लेखक हैं [1]

i) मुंशी सदासुख लाल

ii) लल्लू लाल

iii) रामप्रसाद निरंजनी

iv) स्वामी दयानन्द सरस्वती

ख) सदल मिश्र की रचना है [1]

i) सत्यामृत प्रवाह

ii) नासिकेतोपाख्यान

iii) भारत सौभाग्य

iv) भूतनाथ

ग) ‘चन्द्रकान्ता सन्तति’ कृति की विधि है [1]

i) निबन्ध

ii) नाटक

iii) कहानी

iv) उपन्यास

घ) बालकृष्ण भट्ट सम्पादक थे [1]

i) इन्दुमती के

ii) परीक्षा गुरु के

iii) हिन्दी प्रदीप के

iv) साहित्य सहचर के ।

ङ) वासुदेवशरण अग्रवाल की रचना है [1]

i) बाणभट्ट की आत्मकथा

ii) वाग्धारा

iii) साहित्य और समाज

iv) शेखर: एक जीवनी ।

2. क) 'कितनी नावों में कितनी बार' काव्यकृति है [1]

i) गिरिजाकुमार माथुर की

ii) नागार्जुन की

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की

iv) हरिवंशराय बच्चन' को

ख) छायावाद की प्रमुख विशेषता है [1]

i) प्रकृति का उद्दीपन-रूप में वर्णन

ii) सौन्दर्य एवं प्रेम

iii) इतिवृत्तात्मकता

(iv) श्रृंगारिक भावना का पूर्णतः अभाव

ग) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन- वर्ष है [1]

i) 1943 ई०

ii) 1950 ई०

iii) 1951 ई०

iv) 1956 ई० ।

घ) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है। [1]

i) पद्मावत

ii) रामचरितमानस

(iii) साकेत

iv) पृथ्वीराज रासो ।

ङ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकृति है। [1]

i) प्रेमाम्बुप्रवाह

ii) त्रिपथगा

iii) लहर

iv) ग्राम्या ।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अङ्ग है। पृथिवी हो और मनुष्य न हो तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है। पृथिवी और जन दोनों के समन्वय से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि को संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी के पुत्र हैं।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिये ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राष्ट्र की कल्पना कब असम्भव है?

iv) पृथिवी और जन दोनों मिलकर क्या बनाते है?

v) पृथिवी कब मातृभूमि को संज्ञा प्राप्त करती है?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है। यह उस विशाल सामना सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक , जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली तथी, उसके रक्त संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की अपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उधड़ गए और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई ।

i) उपयुक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

i) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) सामन्त सभ्यता को परिष्कृत रुचि का प्रतीक फौन है ?

iv) लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी ?

v) आज उस सामना सभ्यता की क्या स्थिति है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

निज जन्म-जन्म से सुने जीव यह मेरा-

धिक्कार ! उसे था महास्वार्थ ने घेरा-

सौ बार धन्य यह एक लाल की माई,

निज जननी ने है जना भरत-सा भाई

पागल सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई,

सौ बार धन्य वह एक लाल की माई ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश को व्याख्या कीजिए ।

iii) कैकेयी स्वयं को धिक्कारती हुई क्या कहती है?

iv) कैकेयी के प्रायश्चित के उपरान्त श्रीराम उनसे क्या कहते हैं?

v) प्रभु राम के साथ कैकेयी के अपराध का अपमार्जन करती हुई सभा क्या चिल्ला उठी?

अथवा

<u>आज की दुनिया विचित्र नवीन,</u>

प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन ।

हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,

हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप ।

है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,

लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए

iii) आज के मनुष्य ने किस पर विजय प्राप्त कर ली है ?

iv) किसके हुक्म पर पवन का ताप चढता-उतरता है ?

v) "है नहीं बाकी कहीं व्यवधान" से क्या आशय है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

i) जयशंकर प्रसाद

ii) महादेवी वर्मा

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

"आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

vi) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाया प्रिया भवति। न वा अरे। पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रों वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्व प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च

साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तमधिकृत्य एवाभवत ।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

[2+5=7]

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ।।

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।
वृगुते हि विमृश्यकारिणं गुगलुब्धाः हि स्वयमेव सम्पदः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- [1+1=2]

(i) अंगूठा दिखाना

(ii) पहाड़ टूट पड़ना

(iii) धूल में मिलाना

(iv) पानी-पानी होना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'हिमालय:' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) हिमा + लयः

(ब) हि + मालयः

(स) हिम + आलयः

(द) हिम् + अलयः ।

(ii) 'कठोपनिषद' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) कठ् + उपनिषद्

(ब) कठ + उपनिषद्

(स) कठ + ओपनिषद्

(द) कठोप + निषद् |

(iii) 'अन्वेषणम्' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) अनु + एषणम्

(ब) अन्व + एषणम्

(स) अन् + वेषणम्

(द) अन्वेष + णम् ।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिये:

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति एकवचन ।

(ii) 'नाम्नाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है। [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) सकल-शक्ल [1]

(अ) पदार्थ एवं सम्पूर्ण

(ब) सम्पूर्ण और खण्ड

(स) आकृति और प्रकृति

(द) सुख और शंकालु ।

(ii) अंश- अंशु- [1]

(अ) भाग और सूर्य

(ब) भाग और चन्द्र

(स) भाग्य और किरण

(द) भाग और किरण ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) धरा

(ii) मित्र

(iii) जलज ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जिसका कहीं भी अन्त न होता हो- [1]

(अ) अगण्य

(ब) अन्तिम

(स) अनन्त

(ड) गण्य |

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला- [1]

(अ) जानकार

(ब) जिज्ञासु

(स) ज्ञानी

(द) बुद्धिमान

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) परीक्षा-पद्धति बदलना चाहिए ।

(ii) मैंने अनेकों बार यात्रा की है।

(iii) केवल यहाँ चार पुस्तकें रखी हैं

(iv) महादेवी वर्मा एक प्रसिद्ध कवियित्री हैं।

12. (क) 'श्रृंगार रस अथवा 'वीर' रस का लक्षण और उसका एक उदाहरण लिखिए ।

[1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

13. समाचारपत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु विद्यालय के प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए । [6]

अथवा

ऋण-प्राप्ति हेतु बैंक के शाखा प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए: [2+7]

(i) राष्ट्रीय एकता -वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता

(ii) आतङ्कवाद की समस्या- कारण और समाधान

(iii) पर्यावरण- प्रदूषण और निराकरण के उपाय

(iv) आधुनिक शिक्षा पद्धति की दिशा और दशा